Mar Thoma Residential School, Thiruvalla

Annual Examination, February 2020

Hindi

Std IX

Marks - 80
Time - 3 hrs

This paper comprises two sections : Section A and Section B. Attempt all questions from section A. Attempt any Four questions from Section B.

SECTION - A [40 Marks]

Question - 1

Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics :-

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर 250 शब्दों में लेख लिखिए -

(i) संयुक्त परिवार के किसी ऐसे उत्सव के आनंद का विस्तार से वर्णन कीजिए, जहाँ आपके परिवार के बच्चे - बुजुर्ग सभी उपस्थित थे ।

(ii) 'परोपकार की भावना लोककल्याण से पूर्ण होती है' हमें भी परोपकार से भरा जीवन ही जीना चाहिए । विषय को स्पष्ट करते हुए अपने विचार लिखिए ।

(iii) कंप्यूटर आज के युग की अनिवार्यता बन गया है । कंप्यूटर की उपयोगिता एवं इसकी सीमाओं पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए ।

(iv) 'थोथा चना बाजे घना' - इस लोकोक्ति को आधार मानकर कोई मौलिक कहानी लिखिए ।

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए ।

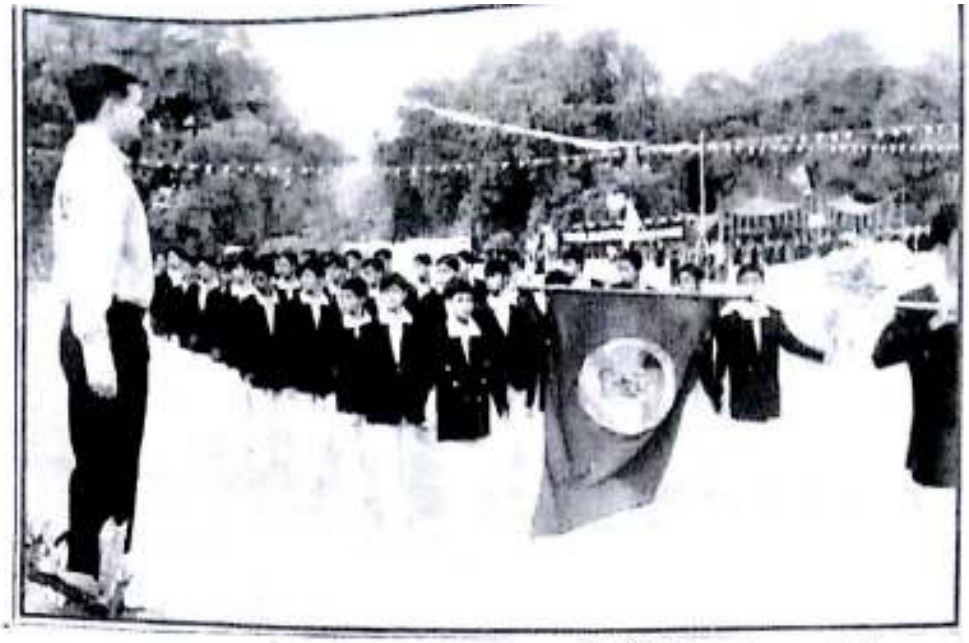

Question-2 Write a letter in Hindi in approximately 120 words on any one of the topics given below :-

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 120 शब्दों में पत्र लिखिए :-

(i) अपने मित्र को एक पत्र लिखिए और उसमें ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान के भ्रमण का वर्णन कीजिए। साथ ही यह भी बताइए कि आप वहाँ कैसे पहुँचे; उस स्थान का क्या महत्व है और वहाँ आपको सबसे अधिक क्या पसंद आया ?

(ii) अपने प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर पिताजी के स्थानान्तरण (ट्रान्सफर) के बारे में बताइए और स्कूल छोड़ने तथा चरित्र सम्बंधी प्रमाण-पत्रों के देने की प्रार्थना कीजिए।

Question-3 Read the Passage below and answer the questions.

गद्यांश पढ़कर उत्तर लिखिए :-

बतासो एक पहुँचे हुए संत थे। उन्हें ब्रह्मा के विषय में वास्तविक ज्ञान प्राप्त हो चुका था। इसी संदर्भ में वे जान चुके थे कि ईश्वर सबका पालनहार है। वह चींटी से लेकर हाथी तक सब जीवों का पेट भरता है। वह धरती के ऊपर और नीचे, जल में और थल में, वायु में सब जगह सबका पोषण करता है। फिर भी एक दिन उनके मन

मे यह विचार आया कि इस कथन को आजमाया जाए कि "ईश्वर सबको रोटी देता है।" इतना सोचकर वे एक घने वन में चले गए। दूर-दूर तक कोई नहीं था। उन्होंने सोचा, "यहाँ रोटी सपने में भी नहीं मिल सकती। देखें ईश्वर मुझे कहाँ से रोटी खिलाता है।" इतना सोचकर वे एक वृक्ष के ऊपर चढ़कर पत्तों के गुच्छों में छिपकर बैठ गए और प्रतीक्षा करने लगे कि देखते हैं ईश्वर कैसे और कहाँ से रोटी खिलाएगा?

दोपहर होने को आई थी। संतजी ऊब चुके थे। वे नीचे आने ही वाले थे कि उन्होंने देखा कि तीन लोग वन में प्रवेश कर चुके हैं। घोड़े पर सवार व्यक्ति कोई धनपति दिखाई दे रहा था और पैदल चलने वाले उसके नौकर लग रहे थे। वे भी उसी पेड़ के नीचे आकर रुक गए। नौकरों ने खाना तैयार करके स्वामी से कहा- "स्वामी! भोजन तैयार है।"

"अच्छी बात है, पहले ईश्वर के नाम पर किसी प्राणी को दो रोटियाँ दे आओ, ताकि हम भोजन कर सकें।" "स्वामी! हम आपका यह नियम जानते हैं, परंतु इस जंगल में कोई प्राणी कहाँ से आएगा? किसे रोटी खिलाएँ? नौकर ने कहा।

'तुम एक आदमी के लिए भरपेट रोटी लेकर इधर-उधर जाओ, तो कोई ईश्वर का बंदा अवश्य मिल जाएगा।" नौकर जाने लगा लगा, तो बताओ से न रहा गया। उन्हें भूख लग आई थी। रोटी की महक ने उनकी भूख बढ़ा दी थी। उन्होंने खाँसकर नौकर का ध्यान आकृष्ट किया स्वामी और नौकर ने एक साथ ऊपर की ओर देखा, तो स्वामी बोले- "अरे! दूर कहाँ जाओगे। इसी को रोटी खिला दो।" यह सुनकर बताओं ने ऊपर की ओर देखा और ईश्वर से इस परीक्षा के लिए क्षमा माँगी।

I) बताओ संत ईश्वर के विषय में क्या जान चुके थे ?
II) बताओ संत ने ईश्वर की कैसी परीक्षा लेनी चाही ?
(ii) बताओ परीक्षा के लिए कहाँ गए और कहाँ जा छिपे ?
IV) स्वामी ने नौकर से क्या कहा और नौकर ने क्या उत्तर दिया ?
V) संत बताओ ने रोटी लेकर जा रहे नौकर का ध्यान क्यों और कैसे आकृष्ट किया ?

Question - 4 Answer the following according to the instructions given :- प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :-

(i) निम्नलिखित में से दो शब्दों के विलोम लिखिए :-
1. बसंत 2. विधवा 3. दुराचार

(ii) निम्न में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :-
1. राम 2. लहू 3. निर्धन

(iii) निम्नलिखित में से किसी एक मुहावरे से वाक्य बनाइए :-
1. फूला न समाना 2. बहती गंगा में हाथ धोना

(iv) किन्हीं दो शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए :-
1. बूढ़ा 2. व्यक्ति 3. बच्चा

(v) किन्हीं दो शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए :-
1. आशीरवाद 2. विदूशी 3. पूज्यनीय

VI. वाक्यों में निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए :-
1. कंजूसी के कारण वह किसी की सहायता नहीं करता।
['इसलिए' का प्रयोग करके वाक्य पुनः लिखिए]
2. बंदर ने चुहिया को डरा दिया।
[वचन बदलिए]

3 अतिथि भोजन कर चुके हैं। [कर्मवाच्य में बदलिए]

SECTION - B [40 Marks]

Attempt four questions from this section.

दिए गए अवतरणों को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

नया रास्ता

Question. 5 "मामारामजी की बात पत्नी की समझ में कुछ-कुछ आई। वह बोली, " हाँ, बात तो सही है। .... पर हाँ, एक बात का ध्यान रखना, कम जेवर चढ़ायेंगे तो हमारी नाक कटेगी"..."

i) मामाराम जी की कौन-सी बात पत्नी की समझ में आई? किस संदर्भ में बात हो रही है?

2) नाक कटने से क्या तात्पर्य है? नाक किस तरह कट जायेगी?

3) बड़े घर की लड़की से क्या तात्पर्य है? साड़ियों के बारे में दोनों की क्या बात हुई?

4) दहेज की बात सुन मामाराम जी क्यों उत्तेजित हुए और क्या बोले?

Question - 6 " आजकल कॉलेज में खेलकूद-प्रतियोगिताएँ चल रही थीं। उसने सोचा कि आज नीलिमा से मिल आऊँ।"

1) मीनू कहाँ रहकर क्या पढ़ रही है? उसने नीलिमा के घर जाने की बात क्यों सोची?

2) नीलिमा बिस्तर पर क्यों पड़ी थी? उसके पास कौन था?

3) विदेशों में बसने वाले भारतीयों के बारे में मीनू के क्या विचार थे?

4) मीनू को होस्टल छोड़ने के लिए उसके साथ कौन गया

Question-7" अमित मेज पर बैठा खाना खाने लगा। माँ भी उसके पास बैठ गई। बैठे-बैठे वह न जाने किन विचारों में खो गई और एकटक अमित की ओर ही देखती रही।"

1) माँ अमित की ओर देखते हुए क्या सोच रही थी?
2) दीपक कौन है? उन्हें किस बात का कार्ड मिला?
3) मधु के बारे में माँ ने अमित से क्या कहा?
4) माँ को घर में बहू की कमी क्यों अखरती थी?

एकांकी संचय

Question-8 आपके विवेक पर सबको विश्वास है। मैं आपसे निवेदन करने आई हूँ कि यद्यपि समय के फेर से वे मेवाड़ राज्य से छोटे है, फिर भी वीर है। मेवाड़ को विपत्ति के दिनों में सहायता देते रहे हैं।

1) प्रस्तुत कथन किसने किससे कहा है? स्पष्ट कीजिए।
2) मेवाड़ को विपत्ति के दिनों में किसने सहायता दी है? चारणी यह बात क्यों याद दिलाती है!
3) चारणी ने महाराणा को प्रतिज्ञा पूरी करने का क्या उपाय बताया? यह कितना उचित था, विचार लिखिए।
4) 'मातृभूमि का मान' कैसी एकांकी है? शीर्षक की सार्थकता सिद्ध करते हुए बताइए।

Question-9 "अपने और अपने मायके वालों के सामने तो वह किसी को कुछ गिनती ही नहीं। हम तो उसके लिए मूर्ख गँवार और असभ्य हैं।"

1) यहाँ कौन, किससे बात कर रहा है तथा उसकी बातों का विषय क्या है?

2) वक्ता इस समय किस मानसिक दशा में है और क्यों?

3) वक्ता के विचार में बेला ने क्या भूल की है और क्यो?

4) उन दोनों में तकरार का आरंभ कब और कैसे हुआ? स्पष्ट कीजिए।

Question-10 'रमेश गया है गौरी को विदा कराने। कुछ देर में उसे लेकर आता ही होगा। मेरी बेटी तो आ जायेगी। तुम्हारी बहन के सपने कभी पूरे नहीं होंगे....।"

1) रमेश कौन है और वह गौरी को विदा कराने क्यों गया है?

2) वक्ता ऐसा किस आधार पर कहता है कि उसकी बेटी तो आ जायेगी

3) वक्ता के अनुसार प्रमोद की बहन के सपने कभी पूरे क्यों नहीं होंगे

4) इस एकांकी के आधार पर वक्ता का चरित्र-चित्रण कीजिए।